

## मुर्गियों की वर्षा ऋतु में देखभाल (Management of Poultry in Rainy Season)

डॉ. सतीश कुमार पाठक  
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

वर्षा ऋतु में मुर्गियों के लिये अप्रलिखित विशेष प्रबन्धन करना पड़ता है :

➤ हीटर या प्रदीप्त (fluorescence) प्रकाश का प्रयोग करे । मुर्गियों को मुख्य रूप से चूजों को गर्म रहने की आवश्यकता है क्योंकि चूजे अपने शरीर के तापमान को नियन्त्रित करने में असमर्थ है । इसके साथ-साथ प्रदीप्त प्रकाश अंडे देने वाली मुर्गियों के उत्पादन को बढ़ा देता है ।

➤ मुर्गियों के आहार में तेल या वसा का प्रयोग करे । मुर्गियाँ को ठंड होने पर ज्यादा भूख लगती है । अतः तेल या वसा का प्रयोग अनावश्यक रूप से आहार उत्पादन की लागत को कम कर सकते है ।

➤ परजीवीनाशक (dewormer) का प्रयोग करे । बारिश के समय पानी में कई तरह के परजीवी के होने का खतरा बढ़ जाता है । अतः आन्त्र (intestine) के संक्रमित होने से बचाने के लिए परजीवीनाशक का प्रयोग आवश्यक हो जाता है । Piperazine जैसे परजीवीनाशक प्रत्येक दूसरे या तीसरे महीने देना चाहिए ।

➤ सूखे बिछौने का प्रयोग करना चाहिए । बारिश के समय आद्रता (humidity) बढ़ने के कारण मुर्गियों के बिछौने का सूखा रहना आवश्यक है । गीला बिछौना कई तरह के संक्रमण का कारण बन सकता है ।

➤ विटामिन ई और सेलेनियम की अल्प मात्रा उनकी रोगों के प्रति लड़ने की क्षमता को बढ़ा देती है ।

➤ बारिश में टिकाकरण का विशेष ध्यान देना चाहिये क्योंकि जीवाणु (bacteria), विषाणु (virus) इत्यादि के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है ।

➤ मुर्गियों के आवास का प्रबन्धन ऐसा होना चाहिये, जिससे बारिश के पानी का भराव न हो ।

➤ मुर्गियों के आहार को वर्षा ऋतु में माइकोटॉक्सिन से बचाने के लिए नमी से दूर रखना आवश्यक होता है ।

- टॉक्सिन बाइंडर (toxin binder) पदार्थ मुर्गियों के आहार में वर्षा ऋतु में प्रयोग करना आवश्यक है ।
- वर्षा ऋतु में मुर्गियों को दिया जाने वाला पानी के गंदा होने का अवसर बढ़ जाता है, ये संक्रमण का कारण बन सकते हैं अतः साफ-सुथरा पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिये ।
- चूहों की सक्रियता वर्षा ऋतु में बढ़ जाती है, अतः इनसे होने वाली बीमारियों का नियंत्रण करने के लिए मुर्गियों के आवास का साफ- सुथरा रखना आवश्यक है ।